

Court User Survey

Prepared by the Australian Law Reform Commission[?]

Editable excel file is available here:

<https://www.alrc.gov.au/wp-content/uploads/2022/02/ALRC-JI-Court-User-Survey-Data.xlsx>



Australian Government

Australian Law Reform Commission

For information contact: info@alrc.gov.au

| Q1 | Q2 | Q3 | Q4 | Q5 | Q6 | Q7 | Q8 | Q9 | Q10 | Q11 | Q12 | Q13 | Q14 | Q15 | Q16 | Q17 | Q18 | Q19 | Q20 | Q21 | Q22 | Q23 | Q24 | Q25 | Q26 | Q27 | Q28 | Q29 | Q30 | Q31 | Q32 | Q33 | Q34 | Q35 | Q36 | Q37 | Q38 | Q39 | Q40 | Q41 | Q42 | Q43 | Q44 | Q45 | Q46 | Q47 | Q48 | Q49 | Q50 | Q51 | Q52 | Q53 | Q54 | Q55 | Q56 | Q57 | Q58 | Q59 | Q60 | Q61 | Q62 | Q63 | Q64 | Q65 | Q66 | Q67 | Q68 | Q69 | Q70 | Q71 | Q72 | Q73 | Q74 | Q75 | Q76 | Q77 | Q78 | Q79 | Q80 | Q81 | Q82 | Q83 | Q84 | Q85 | Q86 | Q87 | Q88 | Q89 | Q90 | Q91 | Q92 | Q93 | Q94 | Q95 | Q96 | Q97 | Q98 | Q99 | Q100 | Q101 | Q102 | Q103 | Q104 | Q105 | Q106 | Q107 | Q108 | Q109 | Q110 | Q111 | Q112 | Q113 | Q114 | Q115 | Q116 | Q117 | Q118 | Q119 | Q120 | Q121 | Q122 | Q123 | Q124 | Q125 | Q126 | Q127 | Q128 | Q129 | Q130 | Q131 | Q132 | Q133 | Q134 | Q135 | Q136 | Q137 | Q138 | Q139 | Q140 | Q141 | Q142 | Q143 | Q144 | Q145 | Q146 | Q147 | Q148 | Q149 | Q150 | Q151 | Q152 | Q153 | Q154 | Q155 | Q156 | Q157 | Q158 | Q159 | Q160 | Q161 | Q162 | Q163 | Q164 | Q165 | Q166 | Q167 | Q168 | Q169 | Q170 | Q171 | Q172 | Q173 | Q174 | Q175 | Q176 | Q177 | Q178 | Q179 | Q180 | Q181 | Q182 | Q183 | Q184 | Q185 | Q186 | Q187 | Q188 | Q189 | Q190 | Q191 | Q192 | Q193 | Q194 | Q195 | Q196 | Q197 | Q198 | Q199 | Q200 | Q201 | Q202 | Q203 | Q204 | Q205 | Q206 | Q207 | Q208 | Q209 | Q210 | Q211 | Q212 | Q213 | Q214 | Q215 | Q216 | Q217 | Q218 | Q219 | Q220 | Q221 | Q222 | Q223 | Q224 | Q225 | Q226 | Q227 | Q228 | Q229 | Q230 | Q231 | Q232 | Q233 | Q234 | Q235 | Q236 | Q237 | Q238 | Q239 | Q240 | Q241 | Q242 | Q243 | Q244 | Q245 | Q246 | Q247 | Q248 | Q249 | Q250 | Q251 | Q252 | Q253 | Q254 | Q255 | Q256 | Q257 | Q258 | Q259 | Q260 | Q261 | Q262 | Q263 | Q264 | Q265 | Q266 | Q267 | Q268 | Q269 | Q270 | Q271 | Q272 | Q273 | Q274 | Q275 | Q276 | Q277 | Q278 | Q279 | Q280 | Q281 | Q282 | Q283 | Q284 | Q285 | Q286 | Q287 | Q288 | Q289 | Q290 | Q291 | Q292 | Q293 | Q294 | Q295 | Q296 | Q297 | Q298 | Q299 | Q300 | Q301 | Q302 | Q303 | Q304 | Q305 | Q306 | Q307 | Q308 | Q309 | Q310 | Q311 | Q312 | Q313 | Q314 | Q315 | Q316 | Q317 | Q318 | Q319 | Q320 | Q321 | Q322 | Q323 | Q324 | Q325 | Q326 | Q327 | Q328 | Q329 | Q330 | Q331 | Q332 | Q333 | Q334 | Q335 | Q336 | Q337 | Q338 | Q339 | Q340 | Q341 | Q342 | Q343 | Q344 | Q345 | Q346 | Q347 | Q348 | Q349 | Q350 | Q351 | Q352 | Q353 | Q354 | Q355 | Q356 | Q357 | Q358 | Q359 | Q360 | Q361 | Q362 | Q363 | Q364 | Q365 | Q366 | Q367 | Q368 | Q369 | Q370 | Q371 | Q372 | Q373 | Q374 | Q375 | Q376 | Q377 | Q378 | Q379 | Q380 | Q381 | Q382 | Q383 | Q384 | Q385 | Q386 | Q387 | Q388 | Q389 | Q390 | Q391 | Q392 | Q393 | Q394 | Q395 | Q396 | Q397 | Q398 | Q399 | Q400 | Q401 | Q402 | Q403 | Q404 | Q405 | Q406 | Q407 | Q408 | Q409 | Q410 | Q411 | Q412 | Q413 | Q414 | Q415 | Q416 | Q417 | Q418 | Q419 | Q420 | Q421 | Q422 | Q423 | Q424 | Q425 | Q426 | Q427 | Q428 | Q429 | Q430 | Q431 | Q432 | Q433 | Q434 | Q435 | Q436 | Q437 | Q438 | Q439 | Q440 | Q441 | Q442 | Q443 | Q444 | Q445 | Q446 | Q447 | Q448 | Q449 | Q450 | Q451 | Q452 | Q453 | Q454 | Q455 | Q456 | Q457 | Q458 | Q459 | Q460 | Q461 | Q462 | Q463 | Q464 | Q465 | Q466 | Q467 | Q468 | Q469 | Q470 | Q471 | Q472 | Q473 | Q474 | Q475 | Q476 | Q477 | Q478 | Q479 | Q480 | Q481 | Q482 | Q483 | Q484 | Q485 | Q486 | Q487 | Q488 | Q489 | Q490 | Q491 | Q492 | Q493 | Q494 | Q495 | Q496 | Q497 | Q498 | Q499 | Q500 | Q501 | Q502 | Q503 | Q504 | Q505 | Q506 | Q507 | Q508 | Q509 | Q510 | Q511 | Q512 | Q513 | Q514 | Q515 | Q516 | Q517 | Q518 | Q519 | Q520 | Q521 | Q522 | Q523 | Q524 | Q525 | Q526 | Q527 | Q528 | Q529 | Q530 | Q531 | Q532 | Q533 | Q534 | Q535 | Q536 | Q537 | Q538 | Q539 | Q540 | Q541 | Q542 | Q543 | Q544 | Q545 | Q546 | Q547 | Q548 | Q549 | Q550 | Q551 | Q552 | Q553 | Q554 | Q555 | Q556 | Q557 | Q558 | Q559 | Q560 | Q561 | Q562 | Q563 | Q564 | Q565 | Q566 | Q567 | Q568 | Q569 | Q570 | Q571 | Q572 | Q573 | Q574 | Q575 | Q576 | Q577 | Q578 | Q579 | Q580 | Q581 | Q582 | Q583 | Q584 | Q585 | Q586 | Q587 | Q588 | Q589 | Q590 | Q591 | Q592 | Q593 | Q594 | Q595 | Q596 | Q597 | Q598 | Q599 | Q600 | Q601 | Q602 | Q603 | Q604 | Q605 | Q606 | Q607 | Q608 | Q609 | Q610 | Q611 | Q612 | Q613 | Q614 | Q615 | Q616 | Q617 | Q618 | Q619 | Q620 | Q621 | Q622 | Q623 | Q624 | Q625 | Q626 | Q627 | Q628 | Q629 | Q630 | Q631 | Q632 | Q633 | Q634 | Q635 | Q636 | Q637 | Q638 | Q639 | Q640 | Q641 | Q642 | Q643 | Q644 | Q645 | Q646 | Q647 | Q648 | Q649 | Q650 | Q651 | Q652 | Q653 | Q654 | Q655 | Q656 | Q657 | Q658 | Q659 | Q660 | Q661 | Q662 | Q663 | Q664 | Q665 | Q666 | Q667 | Q668 | Q669 | Q670 | Q671 | Q672 | Q673 | Q674 | Q675 | Q676 | Q677 | Q678 | Q679 | Q680 | Q681 | Q682 | Q683 | Q684 | Q685 | Q686 | Q687 | Q688 | Q689 | Q690 | Q691 | Q692 | Q693 | Q694 | Q695 | Q696 | Q697 | Q698 | Q699 | Q700 | Q701 | Q702 | Q703 | Q704 | Q705 | Q706 | Q707 | Q708 | Q709 | Q710 | Q711 | Q712 | Q713 | Q714 | Q715 | Q716 | Q717 | Q718 | Q719 | Q720 | Q721 | Q722 | Q723 | Q724 | Q725 | Q726 | Q727 | Q728 | Q729 | Q730 | Q731 | Q732 | Q733 | Q734 | Q735 | Q736 | Q737 | Q738 | Q739 | Q740 | Q741 | Q742 | Q743 | Q744 | Q745 | Q746 | Q747 | Q748 | Q749 | Q750 | Q751 | Q752 | Q753 | Q754 | Q755 | Q756 | Q757 | Q758 | Q759 | Q760 | Q761 | Q762 | Q763 | Q764 | Q765 | Q766 | Q767 | Q768 | Q769 | Q770 | Q771 | Q772 | Q773 | Q774 | Q775 | Q776 | Q777 | Q778 | Q779 | Q780 | Q781 | Q782 | Q783 | Q784 | Q785 | Q786 | Q787 | Q788 | Q789 | Q790 | Q791 | Q792 | Q793 | Q794 | Q795 | Q796 | Q797 | Q798 | Q799 | Q800 | Q801 | Q802 | Q803 | Q804 | Q805 | Q806 | Q807 | Q808 | Q809 | Q810 | Q811 | Q812 | Q813 | Q814 | Q815 | Q816 | Q817 | Q818 | Q819 | Q820 | Q821 | Q822 | Q823 | Q824 | Q825 | Q826 | Q827 | Q828 | Q829 | Q830 | Q831 | Q832 | Q833 | Q834 | Q835 | Q836 | Q837 | Q838 | Q839 | Q840 | Q841 | Q842 | Q843 | Q844 | Q845 | Q846 | Q847 | Q848 | Q849 | Q850 | Q851 | Q852 | Q853 | Q854 | Q855 | Q856 | Q857 | Q858 | Q859 | Q860 | Q861 | Q862 | Q863 | Q864 | Q865 | Q866 | Q867 | Q868 | Q869 | Q870 | Q871 | Q872 | Q873 | Q874 | Q875 | Q876 | Q877 | Q878 | Q879 | Q880 | Q881 | Q882 | Q883 | Q884 | Q885 | Q886 | Q887 | Q888 | Q889 | Q890 | Q891 | Q892 | Q893 | Q894 | Q895 | Q896 | Q897 | Q898 | Q899 | Q900 | Q901 | Q902 | Q903 | Q904 | Q905 | Q906 | Q907 | Q908 | Q909 | Q910 | Q911 | Q912 | Q913 | Q914 | Q915 | Q916 | Q917 | Q918 | Q919 | Q920 | Q921 | Q922 | Q923 | Q924 | Q925 | Q926 | Q927 | Q928 | Q929 | Q930 | Q931 | Q932 | Q933 | Q934 | Q935 | Q936 | Q937 | Q938 | Q939 | Q940 | Q941 | Q942 | Q943 | Q944 | Q945 | Q946 | Q947 | Q948 | Q949 | Q950 | Q951 | Q952 | Q953 | Q954 | Q955 | Q956 | Q957 | Q958 | Q959 | Q960 | Q961 | Q962 | Q963 | Q964 | Q965 | Q966 | Q967 | Q968 | Q969 | Q970 | Q971 | Q972 | Q973 | Q974 | Q975 | Q976 | Q977 | Q978 | Q979 | Q980 | Q981 | Q982 | Q983 | Q984 | Q985 | Q986 | Q987 | Q988 | Q989 | Q990 | Q991 | Q992 | Q993 | Q994 | Q995 | Q996 | Q997 | Q998 | Q999 | Q1000 | Q1001 | Q1002 | Q1003 | Q1004 | Q1005 | Q1006 | Q1007 | Q1008 | Q1009 | Q1010 | Q1011 | Q1012 | Q1013 | Q1014 | Q1015 | Q1016 | Q1017 | Q1018 | Q1019 | Q1020 | Q1021 | Q1022 | Q1023 | Q1024 | Q1025 | Q1026 | Q1027 | Q1028 | Q1029 | Q1030 | Q1031 | Q1032 | Q1033 | Q1034 | Q1035 | Q1036 | Q1037 | Q1038 | Q1039 | Q1040 | Q1041 | Q1042 | Q1043 | Q1044 | Q1045 | Q1046 | Q1047 | Q1048 | Q1049 | Q1050 | Q1051 | Q1052 | Q1053 | Q1054 | Q1055 | Q1056 | Q1057 | Q1058 | Q1059 | Q1060 | Q1061 | Q1062 | Q1063 | Q1064 | Q1065 | Q1066 | Q1067 | Q1068 | Q1069 | Q1070 | Q1071 | Q1072 | Q1073 | Q1074 | Q1075 | Q1076 | Q1077 | Q1078 | Q1079 | Q1080 | Q1081 | Q1082 | Q1083 | Q1084 | Q1085 | Q1086 | Q1087 | Q1088 | Q1089 | Q1090 | Q1091 | Q1092 | Q1093 | Q1094 | Q1095 | Q1096 | Q1097 | Q1098 | Q1099 | Q1100 | Q1101 | Q1102 | Q1103 | Q1104 | Q1105 | Q1106 | Q1107 | Q1108 | Q1109 | Q1110 | Q1111 | Q1112 | Q1113 | Q1114 | Q1115 | Q1116 | Q1117 | Q1118 | Q1119 | Q1120 | Q1121 | Q1122 | Q1123 | Q1124 | Q1125 | Q1126 | Q1127 | Q1128 | Q1129 | Q1130 | Q1131 | Q1132 | Q1133 | Q1134 | Q1135 | Q1136 | Q1137 | Q1138 | Q1139 | Q1140 | Q1141 | Q1142 | Q1143 | Q1144 | Q1145 | Q1146 | Q1147 | Q1148 | Q1149 | Q1150 | Q1151 | Q1152 | Q1153 | Q1154 | Q1155 | Q1156 | Q1157 | Q1158 | Q1159 | Q1160 | Q1161 | Q1162 | Q1163 | Q1164 | Q1165 | Q1166 | Q1167 | Q1168 | Q1169 | Q1170 | Q1171 | Q1172 | Q1173 | Q1174 | Q1175 | Q1176 | Q1177 | Q1178 | Q1179 | Q1180 | Q1181 | Q1182 | Q1183 | Q1184 | Q1185 | Q1186 | Q1187 | Q1188 | Q1189 | Q1190 | Q1191 | Q1192 | Q1193 | Q1194 | Q1195 | Q1196 | Q1197 | Q1198 | Q1199 | Q1200 | Q1201 | Q1202 | Q1203 | Q1204 | Q1205 | Q1206 | Q1207 | Q1208 | Q1209 | Q1210 | Q1211 | Q1212 | Q1213 | Q1214 | Q1215 | Q1216 | Q1217 | Q1218 | Q1219 | Q1220 | Q1221 | Q1222 | Q1223 | Q1224 | Q1225 | Q1226 | Q1227 | Q1228 | Q1229 | Q1230 | Q1231 | Q1232 | Q1233 | Q1234 | Q1235 | Q1236 | Q1237 | Q1238 | Q1239 | Q1240 | Q1241 | Q1242 | Q1243 | Q1244 | Q1245 | Q1246 | Q1247 | Q1248 | Q1249 | Q1250 | Q1251 | Q1252 | Q1253 | Q1254 | Q1255 | Q1256 | Q1257 | Q1258 | Q1259 | Q1260 | Q1261 | Q1262 | Q1263 | Q1264 | Q1265 | Q1266 | Q1267 | Q1268 | Q1269 | Q1270 | Q1271 | Q1272 | Q1273 | Q1274 | Q1275 | Q1276 | Q1277 | Q1278 | Q1279 | Q1280 | Q1281 | Q1282 | Q1283 | Q1284 | Q1285 | Q1286 | Q1287 | Q1288 | Q1289 | Q1290 | Q1291 | Q1292 | Q1293 | Q1294 | Q1295 | Q1296 | Q1297 | Q1298 | Q1299 | Q1300 | Q1301 | Q1302 | Q1303 | Q1304 | Q1305 | Q1306 | Q1307 | Q1308 | Q1309 | Q1310 | Q1311 | Q1312 | Q1313 | Q1314 | Q1315 | Q1316 | Q1317 | Q1318 | Q1319 | Q1320 | Q1321 | Q1322 | Q1323 | Q1324 | Q1325 | Q1326 | Q1327 | Q1328 | Q1329 | Q1330 | Q1331 | Q1332 | Q1333 | Q1334 | Q1335 | Q1336 | Q1337 | Q1338 | Q1339 | Q1340 | Q1341 | Q1342 | Q1343 | Q1344 | Q1345 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|

| Q1 | Q2 | Q3 | Q4 | Q5 | Q6 | Q7 | Q8 | Q9 | Q10 | Q11 | Q12 | Q13 | Q14 | Q15 | Q16 | Q17 | Q18 | Q19 | Q20 | Q21 | Q22 | Q23 | Q24 | Q25 | Q26 | Q27 | Q28 | Q29 | Q30 | Q31 | Q32 | Q33 | Q34 | Q35 | Q36 | Q37 | Q38 | Q39 | Q40 | Q41 | Q42 | Q43 | Q44 | Q45 | Q46 | Q47 | Q48 | Q49 | Q50 | Q51 | Q52 | Q53 | Q54 | Q55 | Q56 | Q57 | Q58 | Q59 | Q60 | Q61 | Q62 | Q63 | Q64 | Q65 | Q66 | Q67 | Q68 | Q69 | Q70 | Q71 | Q72 | Q73 | Q74 | Q75 | Q76 | Q77 | Q78 | Q79 | Q80 | Q81 | Q82 | Q83 | Q84 | Q85 | Q86 | Q87 | Q88 | Q89 | Q90 | Q91 | Q92 | Q93 | Q94 | Q95 | Q96 | Q97 | Q98 | Q99 | Q100 | Q101 | Q102 | Q103 | Q104 | Q105 | Q106 | Q107 | Q108 | Q109 | Q110 | Q111 | Q112 | Q113 | Q114 | Q115 | Q116 | Q117 | Q118 | Q119 | Q120 | Q121 | Q122 | Q123 | Q124 | Q125 | Q126 | Q127 | Q128 | Q129 | Q130 | Q131 | Q132 | Q133 | Q134 | Q135 | Q136 | Q137 | Q138 | Q139 | Q140 | Q141 | Q142 | Q143 | Q144 | Q145 | Q146 | Q147 | Q148 | Q149 | Q150 | Q151 | Q152 | Q153 | Q154 | Q155 | Q156 | Q157 | Q158 | Q159 | Q160 | Q161 | Q162 | Q163 | Q164 | Q165 | Q166 | Q167 | Q168 | Q169 | Q170 | Q171 | Q172 | Q173 | Q174 | Q175 | Q176 | Q177 | Q178 | Q179 | Q180 | Q181 | Q182 | Q183 | Q184 | Q185 | Q186 | Q187 | Q188 | Q189 | Q190 | Q191 | Q192 | Q193 | Q194 | Q195 | Q196 | Q197 | Q198 | Q199 | Q200 | Q201 | Q202 | Q203 | Q204 | Q205 | Q206 | Q207 | Q208 | Q209 | Q210 | Q211 | Q212 | Q213 | Q214 | Q215 | Q216 | Q217 | Q218 | Q219 | Q220 | Q221 | Q222 | Q223 | Q224 | Q225 | Q226 | Q227 | Q228 | Q229 | Q230 | Q231 | Q232 | Q233 | Q234 | Q235 | Q236 | Q237 | Q238 | Q239 | Q240 | Q241 | Q242 | Q243 | Q244 | Q245 | Q246 | Q247 | Q248 | Q249 | Q250 | Q251 | Q252 | Q253 | Q254 | Q255 | Q256 | Q257 | Q258 | Q259 | Q260 | Q261 | Q262 | Q263 | Q264 | Q265 | Q266 | Q267 | Q268 | Q269 | Q270 | Q271 | Q272 | Q273 | Q274 | Q275 | Q276 | Q277 | Q278 | Q279 | Q280 | Q281 | Q282 | Q283 | Q284 | Q285 | Q286 | Q287 | Q288 | Q289 | Q290 | Q291 | Q292 | Q293 | Q294 | Q295 | Q296 | Q297 | Q298 | Q299 | Q300 | Q301 | Q302 | Q303 | Q304 | Q305 | Q306 | Q307 | Q308 | Q309 | Q310 | Q311 | Q312 | Q313 | Q314 | Q315 | Q316 | Q317 | Q318 | Q319 | Q320 | Q321 | Q322 | Q323 | Q324 | Q325 | Q326 | Q327 | Q328 | Q329 | Q330 | Q331 | Q332 | Q333 | Q334 | Q335 | Q336 | Q337 | Q338 | Q339 | Q340 | Q341 | Q342 | Q343 | Q344 | Q345 | Q346 | Q347 | Q348 | Q349 | Q350 | Q351 | Q352 | Q353 | Q354 | Q355 | Q356 | Q357 | Q358 | Q359 | Q360 | Q361 | Q362 | Q363 | Q364 | Q365 | Q366 | Q367 | Q368 | Q369 | Q370 | Q371 | Q372 | Q373 | Q374 | Q375 | Q376 | Q377 | Q378 | Q379 | Q380 | Q381 | Q382 | Q383 | Q384 | Q385 | Q386 | Q387 | Q388 | Q389 | Q390 | Q391 | Q392 | Q393 | Q394 | Q395 | Q396 | Q397 | Q398 | Q399 | Q400 | Q401 | Q402 | Q403 | Q404 | Q405 | Q406 | Q407 | Q408 | Q409 | Q410 | Q411 | Q412 | Q413 | Q414 | Q415 | Q416 | Q417 | Q418 | Q419 | Q420 | Q421 | Q422 | Q423 | Q424 | Q425 | Q426 | Q427 | Q428 | Q429 | Q430 | Q431 | Q432 | Q433 | Q434 | Q435 | Q436 | Q437 | Q438 | Q439 | Q440 | Q441 | Q442 | Q443 | Q444 | Q445 | Q446 | Q447 | Q448 | Q449 | Q450 | Q451 | Q452 | Q453 | Q454 | Q455 | Q456 | Q457 | Q458 | Q459 | Q460 | Q461 | Q462 | Q463 | Q464 | Q465 | Q466 | Q467 | Q468 | Q469 | Q470 | Q471 | Q472 | Q473 | Q474 | Q475 | Q476 | Q477 | Q478 | Q479 | Q480 | Q481 | Q482 | Q483 | Q484 | Q485 | Q486 | Q487 | Q488 | Q489 | Q490 | Q491 | Q492 | Q493 | Q494 | Q495 | Q496 | Q497 | Q498 | Q499 | Q500 | Q501 | Q502 | Q503 | Q504 | Q505 | Q506 | Q507 | Q508 | Q509 | Q510 | Q511 | Q512 | Q513 | Q514 | Q515 | Q516 | Q517 | Q518 | Q519 | Q520 | Q521 | Q522 | Q523 | Q524 | Q525 | Q526 | Q527 | Q528 | Q529 | Q530 | Q531 | Q532 | Q533 | Q534 | Q535 | Q536 | Q537 | Q538 | Q539 | Q540 | Q541 | Q542 | Q543 | Q544 | Q545 | Q546 | Q547 | Q548 | Q549 | Q550 | Q551 | Q552 | Q553 | Q554 | Q555 | Q556 | Q557 | Q558 | Q559 | Q560 | Q561 | Q562 | Q563 | Q564 | Q565 | Q566 | Q567 | Q568 | Q569 | Q570 | Q571 | Q572 | Q573 | Q574 | Q575 | Q576 | Q577 | Q578 | Q579 | Q580 | Q581 | Q582 | Q583 | Q584 | Q585 | Q586 | Q587 | Q588 | Q589 | Q590 | Q591 | Q592 | Q593 | Q594 | Q595 | Q596 | Q597 | Q598 | Q599 | Q600 | Q601 | Q602 | Q603 | Q604 | Q605 | Q606 | Q607 | Q608 | Q609 | Q610 | Q611 | Q612 | Q613 | Q614 | Q615 | Q616 | Q617 | Q618 | Q619 | Q620 | Q621 | Q622 | Q623 | Q624 | Q625 | Q626 | Q627 | Q628 | Q629 | Q630 | Q631 | Q632 | Q633 | Q634 | Q635 | Q636 | Q637 | Q638 | Q639 | Q640 | Q641 | Q642 | Q643 | Q644 | Q645 | Q646 | Q647 | Q648 | Q649 | Q650 | Q651 | Q652 | Q653 | Q654 | Q655 | Q656 | Q657 | Q658 | Q659 | Q660 | Q661 | Q662 | Q663 | Q664 | Q665 | Q666 | Q667 | Q668 | Q669 | Q670 | Q671 | Q672 | Q673 | Q674 | Q675 | Q676 | Q677 | Q678 | Q679 | Q680 | Q681 | Q682 | Q683 | Q684 | Q685 | Q686 | Q687 | Q688 | Q689 | Q690 | Q691 | Q692 | Q693 | Q694 | Q695 | Q696 | Q697 | Q698 | Q699 | Q700 | Q701 | Q702 | Q703 | Q704 | Q705 | Q706 | Q707 | Q708 | Q709 | Q710 | Q711 | Q712 | Q713 | Q714 | Q715 | Q716 | Q717 | Q718 | Q719 | Q720 | Q721 | Q722 | Q723 | Q724 | Q725 | Q726 | Q727 | Q728 | Q729 | Q730 | Q731 | Q732 | Q733 | Q734 | Q735 | Q736 | Q737 | Q738 | Q739 | Q740 | Q741 | Q742 | Q743 | Q744 | Q745 | Q746 | Q747 | Q748 | Q749 | Q750 | Q751 | Q752 | Q753 | Q754 | Q755 | Q756 | Q757 | Q758 | Q759 | Q760 | Q761 | Q762 | Q763 | Q764 | Q765 | Q766 | Q767 | Q768 | Q769 | Q770 | Q771 | Q772 | Q773 | Q774 | Q775 | Q776 | Q777 | Q778 | Q779 | Q780 | Q781 | Q782 | Q783 | Q784 | Q785 | Q786 | Q787 | Q788 | Q789 | Q790 | Q791 | Q792 | Q793 | Q794 | Q795 | Q796 | Q797 | Q798 | Q799 | Q800 | Q801 | Q802 | Q803 | Q804 | Q805 | Q806 | Q807 | Q808 | Q809 | Q810 | Q811 | Q812 | Q813 | Q814 | Q815 | Q816 | Q817 | Q818 | Q819 | Q820 | Q821 | Q822 | Q823 | Q824 | Q825 | Q826 | Q827 | Q828 | Q829 | Q830 | Q831 | Q832 | Q833 | Q834 | Q835 | Q836 | Q837 | Q838 | Q839 | Q840 | Q841 | Q842 | Q843 | Q844 | Q845 | Q846 | Q847 | Q848 | Q849 | Q850 | Q851 | Q852 | Q853 | Q854 | Q855 | Q856 | Q857 | Q858 | Q859 | Q860 | Q861 | Q862 | Q863 | Q864 | Q865 | Q866 | Q867 | Q868 | Q869 | Q870 | Q871 | Q872 | Q873 | Q874 | Q875 | Q876 | Q877 | Q878 | Q879 | Q880 | Q881 | Q882 | Q883 | Q884 | Q885 | Q886 | Q887 | Q888 | Q889 | Q890 | Q891 | Q892 | Q893 | Q894 | Q895 | Q896 | Q897 | Q898 | Q899 | Q900 | Q901 | Q902 | Q903 | Q904 | Q905 | Q906 | Q907 | Q908 | Q909 | Q910 | Q911 | Q912 | Q913 | Q914 | Q915 | Q916 | Q917 | Q918 | Q919 | Q920 | Q921 | Q922 | Q923 | Q924 | Q925 | Q926 | Q927 | Q928 | Q929 | Q930 | Q931 | Q932 | Q933 | Q934 | Q935 | Q936 | Q937 | Q938 | Q939 | Q940 | Q941 | Q942 | Q943 | Q944 | Q945 | Q946 | Q947 | Q948 | Q949 | Q950 | Q951 | Q952 | Q953 | Q954 | Q955 | Q956 | Q957 | Q958 | Q959 | Q960 | Q961 | Q962 | Q963 | Q964 | Q965 | Q966 | Q967 | Q968 | Q969 | Q970 | Q971 | Q972 | Q973 | Q974 | Q975 | Q976 | Q977 | Q978 | Q979 | Q980 | Q981 | Q982 | Q983 | Q984 | Q985 | Q986 | Q987 | Q988 | Q989 | Q990 | Q991 | Q992 | Q993 | Q994 | Q995 | Q996 | Q997 | Q998 | Q999 | Q1000 | Q1001 | Q1002 | Q1003 | Q1004 | Q1005 | Q1006 | Q1007 | Q1008 | Q1009 | Q1010 | Q1011 | Q1012 | Q1013 | Q1014 | Q1015 | Q1016 | Q1017 | Q1018 | Q1019 | Q1020 | Q1021 | Q1022 | Q1023 | Q1024 | Q1025 | Q1026 | Q1027 | Q1028 | Q1029 | Q1030 | Q1031 | Q1032 | Q1033 | Q1034 | Q1035 | Q1036 | Q1037 | Q1038 | Q1039 | Q1040 | Q1041 | Q1042 | Q1043 | Q1044 | Q1045 | Q1046 | Q1047 | Q1048 | Q1049 | Q1050 | Q1051 | Q1052 | Q1053 | Q1054 | Q1055 | Q1056 | Q1057 | Q1058 | Q1059 | Q1060 | Q1061 | Q1062 | Q1063 | Q1064 | Q1065 | Q1066 | Q1067 | Q1068 | Q1069 | Q1070 | Q1071 | Q1072 | Q1073 | Q1074 | Q1075 | Q1076 | Q1077 | Q1078 | Q1079 | Q1080 | Q1081 | Q1082 | Q1083 | Q1084 | Q1085 | Q1086 | Q1087 | Q1088 | Q1089 | Q1090 | Q1091 | Q1092 | Q1093 | Q1094 | Q1095 | Q1096 | Q1097 | Q1098 | Q1099 | Q1100 | Q1101 | Q1102 | Q1103 | Q1104 | Q1105 | Q1106 | Q1107 | Q1108 | Q1109 | Q1110 | Q1111 | Q1112 | Q1113 | Q1114 | Q1115 | Q1116 | Q1117 | Q1118 | Q1119 | Q1120 | Q1121 | Q1122 | Q1123 | Q1124 | Q1125 | Q1126 | Q1127 | Q1128 | Q1129 | Q1130 | Q1131 | Q1132 | Q1133 | Q1134 | Q1135 | Q1136 | Q1137 | Q1138 | Q1139 | Q1140 | Q1141 | Q1142 | Q1143 | Q1144 | Q1145 | Q1146 | Q1147 | Q1148 | Q1149 | Q1150 | Q1151 | Q1152 | Q1153 | Q1154 | Q1155 | Q1156 | Q1157 | Q1158 | Q1159 | Q1160 | Q1161 | Q1162 | Q1163 | Q1164 | Q1165 | Q1166 | Q1167 | Q1168 | Q1169 | Q1170 | Q1171 | Q1172 | Q1173 | Q1174 | Q1175 | Q1176 | Q1177 | Q1178 | Q1179 | Q1180 | Q1181 | Q1182 | Q1183 | Q1184 | Q1185 | Q1186 | Q1187 | Q1188 | Q1189 | Q1190 | Q1191 | Q1192 | Q1193 | Q1194 | Q1195 | Q1196 | Q1197 | Q1198 | Q1199 | Q1200 | Q1201 | Q1202 | Q1203 | Q1204 | Q1205 | Q1206 | Q1207 | Q1208 | Q1209 | Q1210 | Q1211 | Q1212 | Q1213 | Q1214 | Q1215 | Q1216 | Q1217 | Q1218 | Q1219 | Q1220 | Q1221 | Q1222 | Q1223 | Q1224 | Q1225 | Q1226 | Q1227 | Q1228 | Q1229 | Q1230 | Q1231 | Q1232 | Q1233 | Q1234 | Q1235 | Q1236 | Q1237 | Q1238 | Q1239 | Q1240 | Q1241 | Q1242 | Q1243 | Q1244 | Q1245 | Q1246 | Q1247 | Q1248 | Q1249 | Q1250 | Q1251 | Q1252 | Q1253 | Q1254 | Q1255 | Q1256 | Q1257 | Q1258 | Q1259 | Q1260 | Q1261 | Q1262 | Q1263 | Q1264 | Q1265 | Q1266 | Q1267 | Q1268 | Q1269 | Q1270 | Q1271 | Q1272 | Q1273 | Q1274 | Q1275 | Q1276 | Q1277 | Q1278 | Q1279 | Q1280 | Q1281 | Q1282 | Q1283 | Q1284 | Q1285 | Q1286 | Q1287 | Q1288 | Q1289 | Q1290 | Q1291 | Q1292 | Q1293 | Q1294 | Q1295 | Q1296 | Q1297 | Q1298 | Q1299 | Q1300 | Q1301 | Q1302 | Q1303 | Q1304 | Q1305 | Q1306 | Q1307 | Q1308 | Q1309 | Q1310 | Q1311 | Q1312 | Q1313 | Q1314 | Q1315 | Q1316 | Q1317 | Q1318 | Q1319 | Q1320 | Q1321 | Q1322 | Q1323 | Q1324 | Q1325 | Q1326 | Q1327 | Q1328 | Q1329 | Q1330 | Q1331 | Q1332 | Q1333 | Q1334 | Q1335 | Q1336 | Q1337 | Q1338 | Q1339 | Q1340 | Q1341 | Q1342 | Q1343 | Q1344 | Q1345 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|

| Q1 | Q2 | Q3 | Q4 | Q5 | Q6 | Q7 | Q8 | Q9 | Q10 | Q11 | Q12 | Q13 | Q14 | Q15 | Q16 | Q17 | Q18 | Q19 | Q20 | Q21 | Q22 | Q23 | Q24 | Q25 | Q26 | Q27 | Q28 | Q29 | Q30 | Q31 | Q32 | Q33 | Q34 | Q35 | Q36 | Q37 | Q38 | Q39 | Q40 | Q41 | Q42 | Q43 | Q44 | Q45 | Q46 | Q47 | Q48 | Q49 | Q50 | Q51 | Q52 | Q53 | Q54 | Q55 | Q56 | Q57 | Q58 | Q59 | Q60 | Q61 | Q62 | Q63 | Q64 | Q65 | Q66 | Q67 | Q68 | Q69 | Q70 | Q71 | Q72 | Q73 | Q74 | Q75 | Q76 | Q77 | Q78 | Q79 | Q80 | Q81 | Q82 | Q83 | Q84 | Q85 | Q86 | Q87 | Q88 | Q89 | Q90 | Q91 | Q92 | Q93 | Q94 | Q95 | Q96 | Q97 | Q98 | Q99 | Q100 | Q101 | Q102 | Q103 | Q104 | Q105 | Q106 | Q107 | Q108 | Q109 | Q110 | Q111 | Q112 | Q113 | Q114 | Q115 | Q116 | Q117 | Q118 | Q119 | Q120 | Q121 | Q122 | Q123 | Q124 | Q125 | Q126 | Q127 | Q128 | Q129 | Q130 | Q131 | Q132 | Q133 | Q134 | Q135 | Q136 | Q137 | Q138 | Q139 | Q140 | Q141 | Q142 | Q143 | Q144 | Q145 | Q146 | Q147 | Q148 | Q149 | Q150 | Q151 | Q152 | Q153 | Q154 | Q155 | Q156 | Q157 | Q158 | Q159 | Q160 | Q161 | Q162 | Q163 | Q164 | Q165 | Q166 | Q167 | Q168 | Q169 | Q170 | Q171 | Q172 | Q173 | Q174 | Q175 | Q176 | Q177 | Q178 | Q179 | Q180 | Q181 | Q182 | Q183 | Q184 | Q185 | Q186 | Q187 | Q188 | Q189 | Q190 | Q191 | Q192 | Q193 | Q194 | Q195 | Q196 | Q197 | Q198 | Q199 | Q200 | Q201 | Q202 | Q203 | Q204 | Q205 | Q206 | Q207 | Q208 | Q209 | Q210 | Q211 | Q212 | Q213 | Q214 | Q215 | Q216 | Q217 | Q218 | Q219 | Q220 | Q221 | Q222 | Q223 | Q224 | Q225 | Q226 | Q227 | Q228 | Q229 | Q230 | Q231 | Q232 | Q233 | Q234 | Q235 | Q236 | Q237 | Q238 | Q239 | Q240 | Q241 | Q242 | Q243 | Q244 | Q245 | Q246 | Q247 | Q248 | Q249 | Q250 | Q251 | Q252 | Q253 | Q254 | Q255 | Q256 | Q257 | Q258 | Q259 | Q260 | Q261 | Q262 | Q263 | Q264 | Q265 | Q266 | Q267 | Q268 | Q269 | Q270 | Q271 | Q272 | Q273 | Q274 | Q275 | Q276 | Q277 | Q278 | Q279 | Q280 | Q281 | Q282 | Q283 | Q284 | Q285 | Q286 | Q287 | Q288 | Q289 | Q290 | Q291 | Q292 | Q293 | Q294 | Q295 | Q296 | Q297 | Q298 | Q299 | Q300 | Q301 | Q302 | Q303 | Q304 | Q305 | Q306 | Q307 | Q308 | Q309 | Q310 | Q311 | Q312 | Q313 | Q314 | Q315 | Q316 | Q317 | Q318 | Q319 | Q320 | Q321 | Q322 | Q323 | Q324 | Q325 | Q326 | Q327 | Q328 | Q329 | Q330 | Q331 | Q332 | Q333 | Q334 | Q335 | Q336 | Q337 | Q338 | Q339 | Q340 | Q341 | Q342 | Q343 | Q344 | Q345 | Q346 | Q347 | Q348 | Q349 | Q350 | Q351 | Q352 | Q353 | Q354 | Q355 | Q356 | Q357 | Q358 | Q359 | Q360 | Q361 | Q362 | Q363 | Q364 | Q365 | Q366 | Q367 | Q368 | Q369 | Q370 | Q371 | Q372 | Q373 | Q374 | Q375 | Q376 | Q377 | Q378 | Q379 | Q380 | Q381 | Q382 | Q383 | Q384 | Q385 | Q386 | Q387 | Q388 | Q389 | Q390 | Q391 | Q392 | Q393 | Q394 | Q395 | Q396 | Q397 | Q398 | Q399 | Q400 | Q401 | Q402 | Q403 | Q404 | Q405 | Q406 | Q407 | Q408 | Q409 | Q410 | Q411 | Q412 | Q413 | Q414 | Q415 | Q416 | Q417 | Q418 | Q419 | Q420 | Q421 | Q422 | Q423 | Q424 | Q425 | Q426 | Q427 | Q428 | Q429 | Q430 | Q431 | Q432 | Q433 | Q434 | Q435 | Q436 | Q437 | Q438 | Q439 | Q440 | Q441 | Q442 | Q443 | Q444 | Q445 | Q446 | Q447 | Q448 | Q449 | Q450 | Q451 | Q452 | Q453 | Q454 | Q455 | Q456 | Q457 | Q458 | Q459 | Q460 | Q461 | Q462 | Q463 | Q464 | Q465 | Q466 | Q467 | Q468 | Q469 | Q470 | Q471 | Q472 | Q473 | Q474 | Q475 | Q476 | Q477 | Q478 | Q479 | Q480 | Q481 | Q482 | Q483 | Q484 | Q485 | Q486 | Q487 | Q488 | Q489 | Q490 | Q491 | Q492 | Q493 | Q494 | Q495 | Q496 | Q497 | Q498 | Q499 | Q500 | Q501 | Q502 | Q503 | Q504 | Q505 | Q506 | Q507 | Q508 | Q509 | Q510 | Q511 | Q512 | Q513 | Q514 | Q515 | Q516 | Q517 | Q518 | Q519 | Q520 | Q521 | Q522 | Q523 | Q524 | Q525 | Q526 | Q527 | Q528 | Q529 | Q530 | Q531 | Q532 | Q533 | Q534 | Q535 | Q536 | Q537 | Q538 | Q539 | Q540 | Q541 | Q542 | Q543 | Q544 | Q545 | Q546 | Q547 | Q548 | Q549 | Q550 | Q551 | Q552 | Q553 | Q554 | Q555 | Q556 | Q557 | Q558 | Q559 | Q560 | Q561 | Q562 | Q563 | Q564 | Q565 | Q566 | Q567 | Q568 | Q569 | Q570 | Q571 | Q572 | Q573 | Q574 | Q575 | Q576 | Q577 | Q578 | Q579 | Q580 | Q581 | Q582 | Q583 | Q584 | Q585 | Q586 | Q587 | Q588 | Q589 | Q590 | Q591 | Q592 | Q593 | Q594 | Q595 | Q596 | Q597 | Q598 | Q599 | Q600 | Q601 | Q602 | Q603 | Q604 | Q605 | Q606 | Q607 | Q608 | Q609 | Q610 | Q611 | Q612 | Q613 | Q614 | Q615 | Q616 | Q617 | Q618 | Q619 | Q620 | Q621 | Q622 | Q623 | Q624 | Q625 | Q626 | Q627 | Q628 | Q629 | Q630 | Q631 | Q632 | Q633 | Q634 | Q635 | Q636 | Q637 | Q638 | Q639 | Q640 | Q641 | Q642 | Q643 | Q644 | Q645 | Q646 | Q647 | Q648 | Q649 | Q650 | Q651 | Q652 | Q653 | Q654 | Q655 | Q656 | Q657 | Q658 | Q659 | Q660 | Q661 | Q662 | Q663 | Q664 | Q665 | Q666 | Q667 | Q668 | Q669 | Q670 | Q671 | Q672 | Q673 | Q674 | Q675 | Q676 | Q677 | Q678 | Q679 | Q680 | Q681 | Q682 | Q683 | Q684 | Q685 | Q686 | Q687 | Q688 | Q689 | Q690 | Q691 | Q692 | Q693 | Q694 | Q695 | Q696 | Q697 | Q698 | Q699 | Q700 | Q701 | Q702 | Q703 | Q704 | Q705 | Q706 | Q707 | Q708 | Q709 | Q710 | Q711 | Q712 | Q713 | Q714 | Q715 | Q716 | Q717 | Q718 | Q719 | Q720 | Q721 | Q722 | Q723 | Q724 | Q725 | Q726 | Q727 | Q728 | Q729 | Q730 | Q731 | Q732 | Q733 | Q734 | Q735 | Q736 | Q737 | Q738 | Q739 | Q740 | Q741 | Q742 | Q743 | Q744 | Q745 | Q746 | Q747 | Q748 | Q749 | Q750 | Q751 | Q752 | Q753 | Q754 | Q755 | Q756 | Q757 | Q758 | Q759 | Q760 | Q761 | Q762 | Q763 | Q764 | Q765 | Q766 | Q767 | Q768 | Q769 | Q770 | Q771 | Q772 | Q773 | Q774 | Q775 | Q776 | Q777 | Q778 | Q779 | Q780 | Q781 | Q782 | Q783 | Q784 | Q785 | Q786 | Q787 | Q788 | Q789 | Q790 | Q791 | Q792 | Q793 | Q794 | Q795 | Q796 | Q797 | Q798 | Q799 | Q800 | Q801 | Q802 | Q803 | Q804 | Q805 | Q806 | Q807 | Q808 | Q809 | Q810 | Q811 | Q812 | Q813 | Q814 | Q815 | Q816 | Q817 | Q818 | Q819 | Q820 | Q821 | Q822 | Q823 | Q824 | Q825 | Q826 | Q827 | Q828 | Q829 | Q830 | Q831 | Q832 | Q833 | Q834 | Q835 | Q836 | Q837 | Q838 | Q839 | Q840 | Q841 | Q842 | Q843 | Q844 | Q845 | Q846 | Q847 | Q848 | Q849 | Q850 | Q851 | Q852 | Q853 | Q854 | Q855 | Q856 | Q857 | Q858 | Q859 | Q860 | Q861 | Q862 | Q863 | Q864 | Q865 | Q866 | Q867 | Q868 | Q869 | Q870 | Q871 | Q872 | Q873 | Q874 | Q875 | Q876 | Q877 | Q878 | Q879 | Q880 | Q881 | Q882 | Q883 | Q884 | Q885 | Q886 | Q887 | Q888 | Q889 | Q890 | Q891 | Q892 | Q893 | Q894 | Q895 | Q896 | Q897 | Q898 | Q899 | Q900 | Q901 | Q902 | Q903 | Q904 | Q905 | Q906 | Q907 | Q908 | Q909 | Q910 | Q911 | Q912 | Q913 | Q914 | Q915 | Q916 | Q917 | Q918 | Q919 | Q920 | Q921 | Q922 | Q923 | Q924 | Q925 | Q926 | Q927 | Q928 | Q929 | Q930 | Q931 | Q932 | Q933 | Q934 | Q935 | Q936 | Q937 | Q938 | Q939 | Q940 | Q941 | Q942 | Q943 | Q944 | Q945 | Q946 | Q947 | Q948 | Q949 | Q950 | Q951 | Q952 | Q953 | Q954 | Q955 | Q956 | Q957 | Q958 | Q959 | Q960 | Q961 | Q962 | Q963 | Q964 | Q965 | Q966 | Q967 | Q968 | Q969 | Q970 | Q971 | Q972 | Q973 | Q974 | Q975 | Q976 | Q977 | Q978 | Q979 | Q980 | Q981 | Q982 | Q983 | Q984 | Q985 | Q986 | Q987 | Q988 | Q989 | Q990 | Q991 | Q992 | Q993 | Q994 | Q995 | Q996 | Q997 | Q998 | Q999 | Q1000 | Q1001 | Q1002 | Q1003 | Q1004 | Q1005 | Q1006 | Q1007 | Q1008 | Q1009 | Q1010 | Q1011 | Q1012 | Q1013 | Q1014 | Q1015 | Q1016 | Q1017 | Q1018 | Q1019 | Q1020 | Q1021 | Q1022 | Q1023 | Q1024 | Q1025 | Q1026 | Q1027 | Q1028 | Q1029 | Q1030 | Q1031 | Q1032 | Q1033 | Q1034 | Q1035 | Q1036 | Q1037 | Q1038 | Q1039 | Q1040 | Q1041 | Q1042 | Q1043 | Q1044 | Q1045 | Q1046 | Q1047 | Q1048 | Q1049 | Q1050 | Q1051 | Q1052 | Q1053 | Q1054 | Q1055 | Q1056 | Q1057 | Q1058 | Q1059 | Q1060 | Q1061 | Q1062 | Q1063 | Q1064 | Q1065 | Q1066 | Q1067 | Q1068 | Q1069 | Q1070 | Q1071 | Q1072 | Q1073 | Q1074 | Q1075 | Q1076 | Q1077 | Q1078 | Q1079 | Q1080 | Q1081 | Q1082 | Q1083 | Q1084 | Q1085 | Q1086 | Q1087 | Q1088 | Q1089 | Q1090 | Q1091 | Q1092 | Q1093 | Q1094 | Q1095 | Q1096 | Q1097 | Q1098 | Q1099 | Q1100 | Q1101 | Q1102 | Q1103 | Q1104 | Q1105 | Q1106 | Q1107 | Q1108 | Q1109 | Q1110 | Q1111 | Q1112 | Q1113 | Q1114 | Q1115 | Q1116 | Q1117 | Q1118 | Q1119 | Q1120 | Q1121 | Q1122 | Q1123 | Q1124 | Q1125 | Q1126 | Q1127 | Q1128 | Q1129 | Q1130 | Q1131 | Q1132 | Q1133 | Q1134 | Q1135 | Q1136 | Q1137 | Q1138 | Q1139 | Q1140 | Q1141 | Q1142 | Q1143 | Q1144 | Q1145 | Q1146 | Q1147 | Q1148 | Q1149 | Q1150 | Q1151 | Q1152 | Q1153 | Q1154 | Q1155 | Q1156 | Q1157 | Q1158 | Q1159 | Q1160 | Q1161 | Q1162 | Q1163 | Q1164 | Q1165 | Q1166 | Q1167 | Q1168 | Q1169 | Q1170 | Q1171 | Q1172 | Q1173 | Q1174 | Q1175 | Q1176 | Q1177 | Q1178 | Q1179 | Q1180 | Q1181 | Q1182 | Q1183 | Q1184 | Q1185 | Q1186 | Q1187 | Q1188 | Q1189 | Q1190 | Q1191 | Q1192 | Q1193 | Q1194 | Q1195 | Q1196 | Q1197 | Q1198 | Q1199 | Q1200 | Q1201 | Q1202 | Q1203 | Q1204 | Q1205 | Q1206 | Q1207 | Q1208 | Q1209 | Q1210 | Q1211 | Q1212 | Q1213 | Q1214 | Q1215 | Q1216 | Q1217 | Q1218 | Q1219 | Q1220 | Q1221 | Q1222 | Q1223 | Q1224 | Q1225 | Q1226 | Q1227 | Q1228 | Q1229 | Q1230 | Q1231 | Q1232 | Q1233 | Q1234 | Q1235 | Q1236 | Q1237 | Q1238 | Q1239 | Q1240 | Q1241 | Q1242 | Q1243 | Q1244 | Q1245 | Q1246 | Q1247 | Q1248 | Q1249 | Q1250 | Q1251 | Q1252 | Q1253 | Q1254 | Q1255 | Q1256 | Q1257 | Q1258 | Q1259 | Q1260 | Q1261 | Q1262 | Q1263 | Q1264 | Q1265 | Q1266 | Q1267 | Q1268 | Q1269 | Q1270 | Q1271 | Q1272 | Q1273 | Q1274 | Q1275 | Q1276 | Q1277 | Q1278 | Q1279 | Q1280 | Q1281 | Q1282 | Q1283 | Q1284 | Q1285 | Q1286 | Q1287 | Q1288 | Q1289 | Q1290 | Q1291 | Q1292 | Q1293 | Q1294 | Q1295 | Q1296 | Q1297 | Q1298 | Q1299 | Q1300 | Q1301 | Q1302 | Q1303 | Q1304 | Q1305 | Q1306 | Q1307 | Q1308 | Q1309 | Q1310 | Q1311 | Q1312 | Q1313 | Q1314 | Q1315 | Q1316 | Q1317 | Q1318 | Q1319 | Q1320 | Q1321 | Q1322 | Q1323 | Q1324 | Q1325 | Q1326 | Q1327 | Q1328 | Q1329 | Q1330 | Q1331 | Q1332 | Q1333 | Q1334 | Q1335 | Q1336 | Q1337 | Q1338 | Q1339 | Q1340 | Q1341 | Q1342 | Q1343 | Q1344 | Q1345 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|

| Q1 | Q2 | Q3 | Q4 | Q5 | Q6 | Q7 | Q8 | Q9 | Q10 | Q11 | Q12 | Q13 | Q14 | Q15 | Q16 | Q17 | Q18 | Q19 | Q20 | Q21 | Q22 | Q23 | Q24 | Q25 | Q26 | Q27 | Q28 | Q29 | Q30 | Q31 | Q32 | Q33 | Q34 | Q35 | Q36 | Q37 | Q38 | Q39 | Q40 | Q41 | Q42 | Q43 | Q44 | Q45 | Q46 | Q47 | Q48 | Q49 | Q50 | Q51 | Q52 | Q53 | Q54 | Q55 | Q56 | Q57 | Q58 | Q59 | Q60 | Q61 | Q62 | Q63 | Q64 | Q65 | Q66 | Q67 | Q68 | Q69 | Q70 | Q71 | Q72 | Q73 | Q74 | Q75 | Q76 | Q77 | Q78 | Q79 | Q80 | Q81 | Q82 | Q83 | Q84 | Q85 | Q86 | Q87 | Q88 | Q89 | Q90 | Q91 | Q92 | Q93 | Q94 | Q95 | Q96 | Q97 | Q98 | Q99 | Q100 | Q101 | Q102 | Q103 | Q104 | Q105 | Q106 | Q107 | Q108 | Q109 | Q110 | Q111 | Q112 | Q113 | Q114 | Q115 | Q116 | Q117 | Q118 | Q119 | Q120 | Q121 | Q122 | Q123 | Q124 | Q125 | Q126 | Q127 | Q128 | Q129 | Q130 | Q131 | Q132 | Q133 | Q134 | Q135 | Q136 | Q137 | Q138 | Q139 | Q140 | Q141 | Q142 | Q143 | Q144 | Q145 | Q146 | Q147 | Q148 | Q149 | Q150 | Q151 | Q152 | Q153 | Q154 | Q155 | Q156 | Q157 | Q158 | Q159 | Q160 | Q161 | Q162 | Q163 | Q164 | Q165 | Q166 | Q167 | Q168 | Q169 | Q170 | Q171 | Q172 | Q173 | Q174 | Q175 | Q176 | Q177 | Q178 | Q179 | Q180 | Q181 | Q182 | Q183 | Q184 | Q185 | Q186 | Q187 | Q188 | Q189 | Q190 | Q191 | Q192 | Q193 | Q194 | Q195 | Q196 | Q197 | Q198 | Q199 | Q200 | Q201 | Q202 | Q203 | Q204 | Q205 | Q206 | Q207 | Q208 | Q209 | Q210 | Q211 | Q212 | Q213 | Q214 | Q215 | Q216 | Q217 | Q218 | Q219 | Q220 | Q221 | Q222 | Q223 | Q224 | Q225 | Q226 | Q227 | Q228 | Q229 | Q230 | Q231 | Q232 | Q233 | Q234 | Q235 | Q236 | Q237 | Q238 | Q239 | Q240 | Q241 | Q242 | Q243 | Q244 | Q245 | Q246 | Q247 | Q248 | Q249 | Q250 | Q251 | Q252 | Q253 | Q254 | Q255 | Q256 | Q257 | Q258 | Q259 | Q260 | Q261 | Q262 | Q263 | Q264 | Q265 | Q266 | Q267 | Q268 | Q269 | Q270 | Q271 | Q272 | Q273 | Q274 | Q275 | Q276 | Q277 | Q278 | Q279 | Q280 | Q281 | Q282 | Q283 | Q284 | Q285 | Q286 | Q287 | Q288 | Q289 | Q290 | Q291 | Q292 | Q293 | Q294 | Q295 | Q296 | Q297 | Q298 | Q299 | Q300 | Q301 | Q302 | Q303 | Q304 | Q305 | Q306 | Q307 | Q308 | Q309 | Q310 | Q311 | Q312 | Q313 | Q314 | Q315 | Q316 | Q317 | Q318 | Q319 | Q320 | Q321 | Q322 | Q323 | Q324 | Q325 | Q326 | Q327 | Q328 | Q329 | Q330 | Q331 | Q332 | Q333 | Q334 | Q335 | Q336 | Q337 | Q338 | Q339 | Q340 | Q341 | Q342 | Q343 | Q344 | Q345 | Q346 | Q347 | Q348 | Q349 | Q350 | Q351 | Q352 | Q353 | Q354 | Q355 | Q356 | Q357 | Q358 | Q359 | Q360 | Q361 | Q362 | Q363 | Q364 | Q365 | Q366 | Q367 | Q368 | Q369 | Q370 | Q371 | Q372 | Q373 | Q374 | Q375 | Q376 | Q377 | Q378 | Q379 | Q380 | Q381 | Q382 | Q383 | Q384 | Q385 | Q386 | Q387 | Q388 | Q389 | Q390 | Q391 | Q392 | Q393 | Q394 | Q395 | Q396 | Q397 | Q398 | Q399 | Q400 | Q401 | Q402 | Q403 | Q404 | Q405 | Q406 | Q407 | Q408 | Q409 | Q410 | Q411 | Q412 | Q413 | Q414 | Q415 | Q416 | Q417 | Q418 | Q419 | Q420 | Q421 | Q422 | Q423 | Q424 | Q425 | Q426 | Q427 | Q428 | Q429 | Q430 | Q431 | Q432 | Q433 | Q434 | Q435 | Q436 | Q437 | Q438 | Q439 | Q440 | Q441 | Q442 | Q443 | Q444 | Q445 | Q446 | Q447 | Q448 | Q449 | Q450 | Q451 | Q452 | Q453 | Q454 | Q455 | Q456 | Q457 | Q458 | Q459 | Q460 | Q461 | Q462 | Q463 | Q464 | Q465 | Q466 | Q467 | Q468 | Q469 | Q470 | Q471 | Q472 | Q473 | Q474 | Q475 | Q476 | Q477 | Q478 | Q479 | Q480 | Q481 | Q482 | Q483 | Q484 | Q485 | Q486 | Q487 | Q488 | Q489 | Q490 | Q491 | Q492 | Q493 | Q494 | Q495 | Q496 | Q497 | Q498 | Q499 | Q500 | Q501 | Q502 | Q503 | Q504 | Q505 | Q506 | Q507 | Q508 | Q509 | Q510 | Q511 | Q512 | Q513 | Q514 | Q515 | Q516 | Q517 | Q518 | Q519 | Q520 | Q521 | Q522 | Q523 | Q524 | Q525 | Q526 | Q527 | Q528 | Q529 | Q530 | Q531 | Q532 | Q533 | Q534 | Q535 | Q536 | Q537 | Q538 | Q539 | Q540 | Q541 | Q542 | Q543 | Q544 | Q545 | Q546 | Q547 | Q548 | Q549 | Q550 | Q551 | Q552 | Q553 | Q554 | Q555 | Q556 | Q557 | Q558 | Q559 | Q560 | Q561 | Q562 | Q563 | Q564 | Q565 | Q566 | Q567 | Q568 | Q569 | Q570 | Q571 | Q572 | Q573 | Q574 | Q575 | Q576 | Q577 | Q578 | Q579 | Q580 | Q581 | Q582 | Q583 | Q584 | Q585 | Q586 | Q587 | Q588 | Q589 | Q590 | Q591 | Q592 | Q593 | Q594 | Q595 | Q596 | Q597 | Q598 | Q599 | Q600 | Q601 | Q602 | Q603 | Q604 | Q605 | Q606 | Q607 | Q608 | Q609 | Q610 | Q611 | Q612 | Q613 | Q614 | Q615 | Q616 | Q617 | Q618 | Q619 | Q620 | Q621 | Q622 | Q623 | Q624 | Q625 | Q626 | Q627 | Q628 | Q629 | Q630 | Q631 | Q632 | Q633 | Q634 | Q635 | Q636 | Q637 | Q638 | Q639 | Q640 | Q641 | Q642 | Q643 | Q644 | Q645 | Q646 | Q647 | Q648 | Q649 | Q650 | Q651 | Q652 | Q653 | Q654 | Q655 | Q656 | Q657 | Q658 | Q659 | Q660 | Q661 | Q662 | Q663 | Q664 | Q665 | Q666 | Q667 | Q668 | Q669 | Q670 | Q671 | Q672 | Q673 | Q674 | Q675 | Q676 | Q677 | Q678 | Q679 | Q680 | Q681 | Q682 | Q683 | Q684 | Q685 | Q686 | Q687 | Q688 | Q689 | Q690 | Q691 | Q692 | Q693 | Q694 | Q695 | Q696 | Q697 | Q698 | Q699 | Q700 | Q701 | Q702 | Q703 | Q704 | Q705 | Q706 | Q707 | Q708 | Q709 | Q710 | Q711 | Q712 | Q713 | Q714 | Q715 | Q716 | Q717 | Q718 | Q719 | Q720 | Q721 | Q722 | Q723 | Q724 | Q725 | Q726 | Q727 | Q728 | Q729 | Q730 | Q731 | Q732 | Q733 | Q734 | Q735 | Q736 | Q737 | Q738 | Q739 | Q740 | Q741 | Q742 | Q743 | Q744 | Q745 | Q746 | Q747 | Q748 | Q749 | Q750 | Q751 | Q752 | Q753 | Q754 | Q755 | Q756 | Q757 | Q758 | Q759 | Q760 | Q761 | Q762 | Q763 | Q764 | Q765 | Q766 | Q767 | Q768 | Q769 | Q770 | Q771 | Q772 | Q773 | Q774 | Q775 | Q776 | Q777 | Q778 | Q779 | Q780 | Q781 | Q782 | Q783 | Q784 | Q785 | Q786 | Q787 | Q788 | Q789 | Q790 | Q791 | Q792 | Q793 | Q794 | Q795 | Q796 | Q797 | Q798 | Q799 | Q800 | Q801 | Q802 | Q803 | Q804 | Q805 | Q806 | Q807 | Q808 | Q809 | Q810 | Q811 | Q812 | Q813 | Q814 | Q815 | Q816 | Q817 | Q818 | Q819 | Q820 | Q821 | Q822 | Q823 | Q824 | Q825 | Q826 | Q827 | Q828 | Q829 | Q830 | Q831 | Q832 | Q833 | Q834 | Q835 | Q836 | Q837 | Q838 | Q839 | Q840 | Q841 | Q842 | Q843 | Q844 | Q845 | Q846 | Q847 | Q848 | Q849 | Q850 | Q851 | Q852 | Q853 | Q854 | Q855 | Q856 | Q857 | Q858 | Q859 | Q860 | Q861 | Q862 | Q863 | Q864 | Q865 | Q866 | Q867 | Q868 | Q869 | Q870 | Q871 | Q872 | Q873 | Q874 | Q875 | Q876 | Q877 | Q878 | Q879 | Q880 | Q881 | Q882 | Q883 | Q884 | Q885 | Q886 | Q887 | Q888 | Q889 | Q890 | Q891 | Q892 | Q893 | Q894 | Q895 | Q896 | Q897 | Q898 | Q899 | Q900 | Q901 | Q902 | Q903 | Q904 | Q905 | Q906 | Q907 | Q908 | Q909 | Q910 | Q911 | Q912 | Q913 | Q914 | Q915 | Q916 | Q917 | Q918 | Q919 | Q920 | Q921 | Q922 | Q923 | Q924 | Q925 | Q926 | Q927 | Q928 | Q929 | Q930 | Q931 | Q932 | Q933 | Q934 | Q935 | Q936 | Q937 | Q938 | Q939 | Q940 | Q941 | Q942 | Q943 | Q944 | Q945 | Q946 | Q947 | Q948 | Q949 | Q950 | Q951 | Q952 | Q953 | Q954 | Q955 | Q956 | Q957 | Q958 | Q959 | Q960 | Q961 | Q962 | Q963 | Q964 | Q965 | Q966 | Q967 | Q968 | Q969 | Q970 | Q971 | Q972 | Q973 | Q974 | Q975 | Q976 | Q977 | Q978 | Q979 | Q980 | Q981 | Q982 | Q983 | Q984 | Q985 | Q986 | Q987 | Q988 | Q989 | Q990 | Q991 | Q992 | Q993 | Q994 | Q995 | Q996 | Q997 | Q998 | Q999 | Q1000 | Q1001 | Q1002 | Q1003 | Q1004 | Q1005 | Q1006 | Q1007 | Q1008 | Q1009 | Q1010 | Q1011 | Q1012 | Q1013 | Q1014 | Q1015 | Q1016 | Q1017 | Q1018 | Q1019 | Q1020 | Q1021 | Q1022 | Q1023 | Q1024 | Q1025 | Q1026 | Q1027 | Q1028 | Q1029 | Q1030 | Q1031 | Q1032 | Q1033 | Q1034 | Q1035 | Q1036 | Q1037 | Q1038 | Q1039 | Q1040 | Q1041 | Q1042 | Q1043 | Q1044 | Q1045 | Q1046 | Q1047 | Q1048 | Q1049 | Q1050 | Q1051 | Q1052 | Q1053 | Q1054 | Q1055 | Q1056 | Q1057 | Q1058 | Q1059 | Q1060 | Q1061 | Q1062 | Q1063 | Q1064 | Q1065 | Q1066 | Q1067 | Q1068 | Q1069 | Q1070 | Q1071 | Q1072 | Q1073 | Q1074 | Q1075 | Q1076 | Q1077 | Q1078 | Q1079 | Q1080 | Q1081 | Q1082 | Q1083 | Q1084 | Q1085 | Q1086 | Q1087 | Q1088 | Q1089 | Q1090 | Q1091 | Q1092 | Q1093 | Q1094 | Q1095 | Q1096 | Q1097 | Q1098 | Q1099 | Q1100 | Q1101 | Q1102 | Q1103 | Q1104 | Q1105 | Q1106 | Q1107 | Q1108 | Q1109 | Q1110 | Q1111 | Q1112 | Q1113 | Q1114 | Q1115 | Q1116 | Q1117 | Q1118 | Q1119 | Q1120 | Q1121 | Q1122 | Q1123 | Q1124 | Q1125 | Q1126 | Q1127 | Q1128 | Q1129 | Q1130 | Q1131 | Q1132 | Q1133 | Q1134 | Q1135 | Q1136 | Q1137 | Q1138 | Q1139 | Q1140 | Q1141 | Q1142 | Q1143 | Q1144 | Q1145 | Q1146 | Q1147 | Q1148 | Q1149 | Q1150 | Q1151 | Q1152 | Q1153 | Q1154 | Q1155 | Q1156 | Q1157 | Q1158 | Q1159 | Q1160 | Q1161 | Q1162 | Q1163 | Q1164 | Q1165 | Q1166 | Q1167 | Q1168 | Q1169 | Q1170 | Q1171 | Q1172 | Q1173 | Q1174 | Q1175 | Q1176 | Q1177 | Q1178 | Q1179 | Q1180 | Q1181 | Q1182 | Q1183 | Q1184 | Q1185 | Q1186 | Q1187 | Q1188 | Q1189 | Q1190 | Q1191 | Q1192 | Q1193 | Q1194 | Q1195 | Q1196 | Q1197 | Q1198 | Q1199 | Q1200 | Q1201 | Q1202 | Q1203 | Q1204 | Q1205 | Q1206 | Q1207 | Q1208 | Q1209 | Q1210 | Q1211 | Q1212 | Q1213 | Q1214 | Q1215 | Q1216 | Q1217 | Q1218 | Q1219 | Q1220 | Q1221 | Q1222 | Q1223 | Q1224 | Q1225 | Q1226 | Q1227 | Q1228 | Q1229 | Q1230 | Q1231 | Q1232 | Q1233 | Q1234 | Q1235 | Q1236 | Q1237 | Q1238 | Q1239 | Q1240 | Q1241 | Q1242 | Q1243 | Q1244 | Q1245 | Q1246 | Q1247 | Q1248 | Q1249 | Q1250 | Q1251 | Q1252 | Q1253 | Q1254 | Q1255 | Q1256 | Q1257 | Q1258 | Q1259 | Q1260 | Q1261 | Q1262 | Q1263 | Q1264 | Q1265 | Q1266 | Q1267 | Q1268 | Q1269 | Q1270 | Q1271 | Q1272 | Q1273 | Q1274 | Q1275 | Q1276 | Q1277 | Q1278 | Q1279 | Q1280 | Q1281 | Q1282 | Q1283 | Q1284 | Q1285 | Q1286 | Q1287 | Q1288 | Q1289 | Q1290 | Q1291 | Q1292 | Q1293 | Q1294 | Q1295 | Q1296 | Q1297 | Q1298 | Q1299 | Q1300 | Q1301 | Q1302 | Q1303 | Q1304 | Q1305 | Q1306 | Q1307 | Q1308 | Q1309 | Q1310 | Q1311 | Q1312 | Q1313 | Q1314 | Q1315 | Q1316 | Q1317 | Q1318 | Q1319 | Q1320 | Q1321 | Q1322 | Q1323 | Q1324 | Q1325 | Q1326 | Q1327 | Q1328 | Q1329 | Q1330 | Q1331 | Q1332 | Q1333 | Q1334 | Q1335 | Q1336 | Q1337 | Q1338 | Q1339 | Q1340 | Q1341 | Q1342 | Q1343 | Q1344 | Q1345 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|

| Q1 | Q2 | Q3 | Q4 | Q5 | Q6 | Q7 | Q8 | Q9 | Q10 | Q11 | Q12 | Q13 | Q14 | Q15 | Q16 | Q17 | Q18 | Q19 | Q20 | Q21 | Q22 | Q23 | Q24 | Q25 | Q26 | Q27 | Q28 | Q29 | Q30 | Q31 | Q32 | Q33 | Q34 | Q35 | Q36 | Q37 | Q38 | Q39 | Q40 | Q41 | Q42 | Q43 | Q44 | Q45 | Q46 | Q47 | Q48 | Q49 | Q50 | Q51 | Q52 | Q53 | Q54 | Q55 | Q56 | Q57 | Q58 | Q59 | Q60 | Q61 | Q62 | Q63 | Q64 | Q65 | Q66 | Q67 | Q68 | Q69 | Q70 | Q71 | Q72 | Q73 | Q74 | Q75 | Q76 | Q77 | Q78 | Q79 | Q80 | Q81 | Q82 | Q83 | Q84 | Q85 | Q86 | Q87 | Q88 | Q89 | Q90 | Q91 | Q92 | Q93 | Q94 | Q95 | Q96 | Q97 | Q98 | Q99 | Q100 | Q101 | Q102 | Q103 | Q104 | Q105 | Q106 | Q107 | Q108 | Q109 | Q110 | Q111 | Q112 | Q113 | Q114 | Q115 | Q116 | Q117 | Q118 | Q119 | Q120 | Q121 | Q122 | Q123 | Q124 | Q125 | Q126 | Q127 | Q128 | Q129 | Q130 | Q131 | Q132 | Q133 | Q134 | Q135 | Q136 | Q137 | Q138 | Q139 | Q140 | Q141 | Q142 | Q143 | Q144 | Q145 | Q146 | Q147 | Q148 | Q149 | Q150 | Q151 | Q152 | Q153 | Q154 | Q155 | Q156 | Q157 | Q158 | Q159 | Q160 | Q161 | Q162 | Q163 | Q164 | Q165 | Q166 | Q167 | Q168 | Q169 | Q170 | Q171 | Q172 | Q173 | Q174 | Q175 | Q176 | Q177 | Q178 | Q179 | Q180 | Q181 | Q182 | Q183 | Q184 | Q185 | Q186 | Q187 | Q188 | Q189 | Q190 | Q191 | Q192 | Q193 | Q194 | Q195 | Q196 | Q197 | Q198 | Q199 | Q200 | Q201 | Q202 | Q203 | Q204 | Q205 | Q206 | Q207 | Q208 | Q209 | Q210 | Q211 | Q212 | Q213 | Q214 | Q215 | Q216 | Q217 | Q218 | Q219 | Q220 | Q221 | Q222 | Q223 | Q224 | Q225 | Q226 | Q227 | Q228 | Q229 | Q230 | Q231 | Q232 | Q233 | Q234 | Q235 | Q236 | Q237 | Q238 | Q239 | Q240 | Q241 | Q242 | Q243 | Q244 | Q245 | Q246 | Q247 | Q248 | Q249 | Q250 | Q251 | Q252 | Q253 | Q254 | Q255 | Q256 | Q257 | Q258 | Q259 | Q260 | Q261 | Q262 | Q263 | Q264 | Q265 | Q266 | Q267 | Q268 | Q269 | Q270 | Q271 | Q272 | Q273 | Q274 | Q275 | Q276 | Q277 | Q278 | Q279 | Q280 | Q281 | Q282 | Q283 | Q284 | Q285 | Q286 | Q287 | Q288 | Q289 | Q290 | Q291 | Q292 | Q293 | Q294 | Q295 | Q296 | Q297 | Q298 | Q299 | Q300 | Q301 | Q302 | Q303 | Q304 | Q305 | Q306 | Q307 | Q308 | Q309 | Q310 | Q311 | Q312 | Q313 | Q314 | Q315 | Q316 | Q317 | Q318 | Q319 | Q320 | Q321 | Q322 | Q323 | Q324 | Q325 | Q326 | Q327 | Q328 | Q329 | Q330 | Q331 | Q332 | Q333 | Q334 | Q335 | Q336 | Q337 | Q338 | Q339 | Q340 | Q341 | Q342 | Q343 | Q344 | Q345 | Q346 | Q347 | Q348 | Q349 | Q350 | Q351 | Q352 | Q353 | Q354 | Q355 | Q356 | Q357 | Q358 | Q359 | Q360 | Q361 | Q362 | Q363 | Q364 | Q365 | Q366 | Q367 | Q368 | Q369 | Q370 | Q371 | Q372 | Q373 | Q374 | Q375 | Q376 | Q377 | Q378 | Q379 | Q380 | Q381 | Q382 | Q383 | Q384 | Q385 | Q386 | Q387 | Q388 | Q389 | Q390 | Q391 | Q392 | Q393 | Q394 | Q395 | Q396 | Q397 | Q398 | Q399 | Q400 | Q401 | Q402 | Q403 | Q404 | Q405 | Q406 | Q407 | Q408 | Q409 | Q410 | Q411 | Q412 | Q413 | Q414 | Q415 | Q416 | Q417 | Q418 | Q419 | Q420 | Q421 | Q422 | Q423 | Q424 | Q425 | Q426 | Q427 | Q428 | Q429 | Q430 | Q431 | Q432 | Q433 | Q434 | Q435 | Q436 | Q437 | Q438 | Q439 | Q440 | Q441 | Q442 | Q443 | Q444 | Q445 | Q446 | Q447 | Q448 | Q449 | Q450 | Q451 | Q452 | Q453 | Q454 | Q455 | Q456 | Q457 | Q458 | Q459 | Q460 | Q461 | Q462 | Q463 | Q464 | Q465 | Q466 | Q467 | Q468 | Q469 | Q470 | Q471 | Q472 | Q473 | Q474 | Q475 | Q476 | Q477 | Q478 | Q479 | Q480 | Q481 | Q482 | Q483 | Q484 | Q485 | Q486 | Q487 | Q488 | Q489 | Q490 | Q491 | Q492 | Q493 | Q494 | Q495 | Q496 | Q497 | Q498 | Q499 | Q500 | Q501 | Q502 | Q503 | Q504 | Q505 | Q506 | Q507 | Q508 | Q509 | Q510 | Q511 | Q512 | Q513 | Q514 | Q515 | Q516 | Q517 | Q518 | Q519 | Q520 | Q521 | Q522 | Q523 | Q524 | Q525 | Q526 | Q527 | Q528 | Q529 | Q530 | Q531 | Q532 | Q533 | Q534 | Q535 | Q536 | Q537 | Q538 | Q539 | Q540 | Q541 | Q542 | Q543 | Q544 | Q545 | Q546 | Q547 | Q548 | Q549 | Q550 | Q551 | Q552 | Q553 | Q554 | Q555 | Q556 | Q557 | Q558 | Q559 | Q560 | Q561 | Q562 | Q563 | Q564 | Q565 | Q566 | Q567 | Q568 | Q569 | Q570 | Q571 | Q572 | Q573 | Q574 | Q575 | Q576 | Q577 | Q578 | Q579 | Q580 | Q581 | Q582 | Q583 | Q584 | Q585 | Q586 | Q587 | Q588 | Q589 | Q590 | Q591 | Q592 | Q593 | Q594 | Q595 | Q596 | Q597 | Q598 | Q599 | Q600 | Q601 | Q602 | Q603 | Q604 | Q605 | Q606 | Q607 | Q608 | Q609 | Q610 | Q611 | Q612 | Q613 | Q614 | Q615 | Q616 | Q617 | Q618 | Q619 | Q620 | Q621 | Q622 | Q623 | Q624 | Q625 | Q626 | Q627 | Q628 | Q629 | Q630 | Q631 | Q632 | Q633 | Q634 | Q635 | Q636 | Q637 | Q638 | Q639 | Q640 | Q641 | Q642 | Q643 | Q644 | Q645 | Q646 | Q647 | Q648 | Q649 | Q650 | Q651 | Q652 | Q653 | Q654 | Q655 | Q656 | Q657 | Q658 | Q659 | Q660 | Q661 | Q662 | Q663 | Q664 | Q665 | Q666 | Q667 | Q668 | Q669 | Q670 | Q671 | Q672 | Q673 | Q674 | Q675 | Q676 | Q677 | Q678 | Q679 | Q680 | Q681 | Q682 | Q683 | Q684 | Q685 | Q686 | Q687 | Q688 | Q689 | Q690 | Q691 | Q692 | Q693 | Q694 | Q695 | Q696 | Q697 | Q698 | Q699 | Q700 | Q701 | Q702 | Q703 | Q704 | Q705 | Q706 | Q707 | Q708 | Q709 | Q710 | Q711 | Q712 | Q713 | Q714 | Q715 | Q716 | Q717 | Q718 | Q719 | Q720 | Q721 | Q722 | Q723 | Q724 | Q725 | Q726 | Q727 | Q728 | Q729 | Q730 | Q731 | Q732 | Q733 | Q734 | Q735 | Q736 | Q737 | Q738 | Q739 | Q740 | Q741 | Q742 | Q743 | Q744 | Q745 | Q746 | Q747 | Q748 | Q749 | Q750 | Q751 | Q752 | Q753 | Q754 | Q755 | Q756 | Q757 | Q758 | Q759 | Q760 | Q761 | Q762 | Q763 | Q764 | Q765 | Q766 | Q767 | Q768 | Q769 | Q770 | Q771 | Q772 | Q773 | Q774 | Q775 | Q776 | Q777 | Q778 | Q779 | Q780 | Q781 | Q782 | Q783 | Q784 | Q785 | Q786 | Q787 | Q788 | Q789 | Q790 | Q791 | Q792 | Q793 | Q794 | Q795 | Q796 | Q797 | Q798 | Q799 | Q800 | Q801 | Q802 | Q803 | Q804 | Q805 | Q806 | Q807 | Q808 | Q809 | Q810 | Q811 | Q812 | Q813 | Q814 | Q815 | Q816 | Q817 | Q818 | Q819 | Q820 | Q821 | Q822 | Q823 | Q824 | Q825 | Q826 | Q827 | Q828 | Q829 | Q830 | Q831 | Q832 | Q833 | Q834 | Q835 | Q836 | Q837 | Q838 | Q839 | Q840 | Q841 | Q842 | Q843 | Q844 | Q845 | Q846 | Q847 | Q848 | Q849 | Q850 | Q851 | Q852 | Q853 | Q854 | Q855 | Q856 | Q857 | Q858 | Q859 | Q860 | Q861 | Q862 | Q863 | Q864 | Q865 | Q866 | Q867 | Q868 | Q869 | Q870 | Q871 | Q872 | Q873 | Q874 | Q875 | Q876 | Q877 | Q878 | Q879 | Q880 | Q881 | Q882 | Q883 | Q884 | Q885 | Q886 | Q887 | Q888 | Q889 | Q890 | Q891 | Q892 | Q893 | Q894 | Q895 | Q896 | Q897 | Q898 | Q899 | Q900 | Q901 | Q902 | Q903 | Q904 | Q905 | Q906 | Q907 | Q908 | Q909 | Q910 | Q911 | Q912 | Q913 | Q914 | Q915 | Q916 | Q917 | Q918 | Q919 | Q920 | Q921 | Q922 | Q923 | Q924 | Q925 | Q926 | Q927 | Q928 | Q929 | Q930 | Q931 | Q932 | Q933 | Q934 | Q935 | Q936 | Q937 | Q938 | Q939 | Q940 | Q941 | Q942 | Q943 | Q944 | Q945 | Q946 | Q947 | Q948 | Q949 | Q950 | Q951 | Q952 | Q953 | Q954 | Q955 | Q956 | Q957 | Q958 | Q959 | Q960 | Q961 | Q962 | Q963 | Q964 | Q965 | Q966 | Q967 | Q968 | Q969 | Q970 | Q971 | Q972 | Q973 | Q974 | Q975 | Q976 | Q977 | Q978 | Q979 | Q980 | Q981 | Q982 | Q983 | Q984 | Q985 | Q986 | Q987 | Q988 | Q989 | Q990 | Q991 | Q992 | Q993 | Q994 | Q995 | Q996 | Q997 | Q998 | Q999 | Q1000 | Q1001 | Q1002 | Q1003 | Q1004 | Q1005 | Q1006 | Q1007 | Q1008 | Q1009 | Q1010 | Q1011 | Q1012 | Q1013 | Q1014 | Q1015 | Q1016 | Q1017 | Q1018 | Q1019 | Q1020 | Q1021 | Q1022 | Q1023 | Q1024 | Q1025 | Q1026 | Q1027 | Q1028 | Q1029 | Q1030 | Q1031 | Q1032 | Q1033 | Q1034 | Q1035 | Q1036 | Q1037 | Q1038 | Q1039 | Q1040 | Q1041 | Q1042 | Q1043 | Q1044 | Q1045 | Q1046 | Q1047 | Q1048 | Q1049 | Q1050 | Q1051 | Q1052 | Q1053 | Q1054 | Q1055 | Q1056 | Q1057 | Q1058 | Q1059 | Q1060 | Q1061 | Q1062 | Q1063 | Q1064 | Q1065 | Q1066 | Q1067 | Q1068 | Q1069 | Q1070 | Q1071 | Q1072 | Q1073 | Q1074 | Q1075 | Q1076 | Q1077 | Q1078 | Q1079 | Q1080 | Q1081 | Q1082 | Q1083 | Q1084 | Q1085 | Q1086 | Q1087 | Q1088 | Q1089 | Q1090 | Q1091 | Q1092 | Q1093 | Q1094 | Q1095 | Q1096 | Q1097 | Q1098 | Q1099 | Q1100 | Q1101 | Q1102 | Q1103 | Q1104 | Q1105 | Q1106 | Q1107 | Q1108 | Q1109 | Q1110 | Q1111 | Q1112 | Q1113 | Q1114 | Q1115 | Q1116 | Q1117 | Q1118 | Q1119 | Q1120 | Q1121 | Q1122 | Q1123 | Q1124 | Q1125 | Q1126 | Q1127 | Q1128 | Q1129 | Q1130 | Q1131 | Q1132 | Q1133 | Q1134 | Q1135 | Q1136 | Q1137 | Q1138 | Q1139 | Q1140 | Q1141 | Q1142 | Q1143 | Q1144 | Q1145 | Q1146 | Q1147 | Q1148 | Q1149 | Q1150 | Q1151 | Q1152 | Q1153 | Q1154 | Q1155 | Q1156 | Q1157 | Q1158 | Q1159 | Q1160 | Q1161 | Q1162 | Q1163 | Q1164 | Q1165 | Q1166 | Q1167 | Q1168 | Q1169 | Q1170 | Q1171 | Q1172 | Q1173 | Q1174 | Q1175 | Q1176 | Q1177 | Q1178 | Q1179 | Q1180 | Q1181 | Q1182 | Q1183 | Q1184 | Q1185 | Q1186 | Q1187 | Q1188 | Q1189 | Q1190 | Q1191 | Q1192 | Q1193 | Q1194 | Q1195 | Q1196 | Q1197 | Q1198 | Q1199 | Q1200 | Q1201 | Q1202 | Q1203 | Q1204 | Q1205 | Q1206 | Q1207 | Q1208 | Q1209 | Q1210 | Q1211 | Q1212 | Q1213 | Q1214 | Q1215 | Q1216 | Q1217 | Q1218 | Q1219 | Q1220 | Q1221 | Q1222 | Q1223 | Q1224 | Q1225 | Q1226 | Q1227 | Q1228 | Q1229 | Q1230 | Q1231 | Q1232 | Q1233 | Q1234 | Q1235 | Q1236 | Q1237 | Q1238 | Q1239 | Q1240 | Q1241 | Q1242 | Q1243 | Q1244 | Q1245 | Q1246 | Q1247 | Q1248 | Q1249 | Q1250 | Q1251 | Q1252 | Q1253 | Q1254 | Q1255 | Q1256 | Q1257 | Q1258 | Q1259 | Q1260 | Q1261 | Q1262 | Q1263 | Q1264 | Q1265 | Q1266 | Q1267 | Q1268 | Q1269 | Q1270 | Q1271 | Q1272 | Q1273 | Q1274 | Q1275 | Q1276 | Q1277 | Q1278 | Q1279 | Q1280 | Q1281 | Q1282 | Q1283 | Q1284 | Q1285 | Q1286 | Q1287 | Q1288 | Q1289 | Q1290 | Q1291 | Q1292 | Q1293 | Q1294 | Q1295 | Q1296 | Q1297 | Q1298 | Q1299 | Q1300 | Q1301 | Q1302 | Q1303 | Q1304 | Q1305 | Q1306 | Q1307 | Q1308 | Q1309 | Q1310 | Q1311 | Q1312 | Q1313 | Q1314 | Q1315 | Q1316 | Q1317 | Q1318 | Q1319 | Q1320 | Q1321 | Q1322 | Q1323 | Q1324 | Q1325 | Q1326 | Q1327 | Q1328 | Q1329 | Q1330 | Q1331 | Q1332 | Q1333 | Q1334 | Q1335 | Q1336 | Q1337 | Q1338 | Q1339 | Q1340 | Q1341 | Q1342 | Q1343 | Q1344 | Q1345 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|

